



विद्या देवी जिंदल स्कूल, हिसार

प्रवेश परीक्षा (2024-25)

कक्षा : IX

विषय : हिंदी

सेट - I

समय: 30 मिनट

अधिकतम अंक: 20

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए- 1x4=4

क्या यही भारतवर्ष है, जिसका सपना तिलक और गांधी ने देखा था? रवींद्रनाथ ठाकुर और मदनमोहन मालवीय का महान संस्कृति-सभ्य भारतवर्ष किस अतीत के गह्वर में डूब गया? आर्य और द्रविड़, हिंदू और मुसलमान, यूरोपीय और भारतीय आदर्शों की मिलन-भूमि 'मानव महासमुद्र' क्या सूख ही गया? मेरा मन कहता है, ऐसा हो नहीं सकता। हमारे महान विद्वान मनीषियों के सपनों का भारत है और रहेगा।

यह सही है कि इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलानवाले निरीह और भोले-भाले श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ तथा फरेब का रोजगार करने वाले फल-फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है, सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है।

परंतु ऊपर-ऊपर जो कुछ दिखाई दे रहा है, वह बहुत ही हाल की मनुष्य-निर्मित नीतियों की त्रुटियों की देन है। सदा मनुष्य-बुद्धि नई परिस्थितियों का सामना करने के लिए नए सामाजिक विधि-निषेधों को बनाती है, उनके ठीक साबित न होने पर उन्हें बदलती है। नियम-कानून सबके लिए बनाए जाते हैं, पर सबके लिए कभी-कभी एक ही नियम सुखकर नहीं होते। मनुष्य के द्वारा बनाए गए तरह-तरह के नियम गलत परिणाम ला रहे हैं, तो इन्हें बदलना ही होगा। अगर आशा एवं उम्मीद न हो, तो मनुष्य का जीवन कष्टदायक हो जाएगा। अभी हमारे भारतवर्ष को और आगे जाना है। लेखक कहते हैं कि हे मेरे मन! निराश होने का अब समय नहीं है। प्रयास करने होंगे। हमें हिम्मत हारने की ज़रूरत नहीं है, उम्मीद नहीं छोड़नी है, अभी भी बहुत-सी संभावनाएँ बची हैं।

(i) गद्यांश में प्रयुक्त 'मानव महासमुद्र' का अर्थ क्या है?

(ii) लेखक के अनुसार जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था हिलने क्यों लगी है?

(iii) 'हे मेरे मन ! अब समय नहीं है।' (उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूरा कीजिए -)

(a) आशावान होने का

(b) भयभीत होने का

(c) निराश होने का

(d) खुश होने का

(iv) सबके लिए कभी-कभी एक नियम सुखकर क्यों नहीं होते ?

2. निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प का चुनाव कर लिखिए- 1x4=4

शीश पर मंगल कलश रख,

भूलकर जन के सभी दुख,

चाहते हो तो मना लो जन्म-दिन भूखे वतन का।

जो उदासी है हृदय पर,

वह उभर आती समय पर,

पेट की रोटी जुड़ाओ,
 रेशमी झंडा उड़ाओ,
 ध्यान तो रखो मगर उस अधफटे नंगे बदन का ।
 तन कहीं पर, मन कहीं पर,
 धन कहीं, निर्धन कहीं पर,
 फूल की ऐसी विदाई,
 शूल को आती रुलाई,
 आँधियों के साथ जैसे हो रहा सौदा चमन का ।
 आग ठंडी हो, गरम हो,
 तोड़ देती है, मरम को,
 क्रांति है आनी किसी दिन,
 आदमी घड़ियाँ रहा गिन,
 राख कर देता सब कुछ अधजला दीपक भवन का ।
 जन्म-दिन भूखे वतन का ।

- (i) देश की स्वतंत्रता के मांगलिक उत्सव शोभाहीन कब होते हैं?
 (ii) देश के शासकों को कवि का क्या संबोधन है?
 (iii) 'आँधियों के साथ जैसे हो रहा सौदा चमन का' – पंक्ति का क्या आशय है ?
 (iv) 'आग ठंडी हो, गरम हो' का क्या अर्थ है?

3. निम्न वाक्यों में से क्रिया-विशेषण छाँटकर उनके भेद लिखिए-

1x 2=2

- (i) श्यामू कल मेरे घर आया था।
 (ii) सोनाली जल्दी-जल्दी लड्डू खाती है।

4. अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए –

1x 2=2

- (i) मेरे लिए चाय ले आओ।
 (ii) कविता ने खाना नहीं खाया।

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

1x 2=2

- (i) 'यथास्थान' सामासिक शब्द का विग्रह क्या होगा?
 (ii) जिस समास में दोनों पदों के माध्यम से एक विशेष (तीसरे) अर्थ का बोध होता है, उसे क्या कहते हैं?

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

1x 2=2

- (i) 'नरेंद्र' शब्द का संधि-विच्छेद क्या होगा?
 (ii) 'महर्षि' शब्द का संधि-विच्छेद क्या होगा?

7. किसी एक विषय पर 80 शब्दों का अनुच्छेद लिखिए- अनमोल पल, जल है तो कल है।

4

अथवा

अपने विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी की अच्छी पुस्तकें मँगवाने का आग्रह करते हुए प्रधानाचार्या जी को प्रार्थना-पत्र लिखिए।

अथवा

एक कपड़े के दुकानदार व एक ग्राहक के मध्य हुए संवाद को कल्पना के आधार पर लिखिए।